जीवन में खुशहाली के लिए राजयोग सर्वश्रेष्ठ एवं सशक्त विधि - त्रिपाठी

माऊंट आबू, ज्ञानसरोवर। आध्यात्मिकता के द्वारा सुरक्षित और बेहतर यातायात व्यवस्था स्थापित कर सकते हैं। यह सेमिनार समाज के हर व्यक्ति और राष्ट्र को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा क्योंकि यहां पर दी जा रही आध्यात्मिक शिक्षा सही अर्थ में जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम है।

राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा **'गति, सुरक्षा और आध्यात्मिकता'** विषय पर आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उक्त विचार व्यक्त करते हुए **ईस्ट कोस्ट रेलवे के चीफ कॉमर्शियल मेनेजर (मुख्य वाणिज्य अधिकारी),** गगन मोहन त्रिपाठी ने सुरक्षा के लिए राजयोग और कर्मयोग के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि जीवन में सदा गतिमान रहने के लिए मन की एकाग्रता अति महत्वपूर्ण है जो राजयोग मेडीटेशन के अभ्यास से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का लक्ष्य खुशहाली है। उसकी प्राप्ति के लिए राजयोग सबसे सशक्त और श्रेष्ठ विधि है। राजयोग के अभ्यास से कर्मयोगी भी बन सकते हैं। राजयोग और कर्मयोग रुपी दोनों पंखों के माध्यम से जीवन में सफलता की उड़ान भर सकते हैं।

प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बी.के.सुरेश शर्मा ने बड़ी गर्मजोशी से सड़क परिवहन, भारतीय रेलवे, पर्यटन तथा ऑटोमोबाइल क्षेत्रों के भारतवर्ष और नेपाल से पधारे लगभग 800 प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह सेमीनार आपके जीवन में ऐसा परिवर्तन लायेगा कि आप यहां से सकारत्मकता के संदेशवाहक बनकर जायेंगे। जीवन को सदा सुखमय बनाने के लिए आप यहां पर जो सुनें उसे आत्मसात करें। आपका जीवन खुशहाल बने यही मेरी शुभकामनायें हैं।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका, बी.के. दिव्यप्रभा ने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि जीवन में तीव्र गति से आगे बढ़ें परन्तु सुरक्षा पर घ्यान न देने से दुर्घटनायें होती रहती हैं। इसलिए सुरक्षा बहुत जरूरी है। न केवल वाहन और तन की सुरक्षा बल्कि **मन की सुरक्षा** की भी जरूरत है। मन को सुरक्षित बनाने का अर्थ है कि हम बिना डरे और विचलित हुए अपना कार्य कर सकें। आध्यात्मिकता हमें जीवन में सोच-बोल और कर्म को लयबद्ध करने में मदद करती है। यह सेमीनार इसी लक्ष्य के साथ आयोजित किया गया है कि न केवल सड़क दुर्घटनायें कम हो बल्कि जीवन में व्यवहार में भी हम दुर्घटनामुक्त रह सकें और जीवन सफल हो।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्मा पिता ने हमें जीवन में सदा खुशहाल रहने के लिए ऐसी श्रेष्ठ विधि सिखायी है कि न केवल अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं बल्कि अपने घर परिवार को भी सुखमय बना सकते हैं। जीवन में परमात्म शक्ति के आधार पर सफलता के लिए हमें सच्चे मन से प्रयास करने हैं।

फेडरेशन ऑफ ईण्डियन ऑटोमोबाइल एशोसिएशनस् के अध्यक्ष नितिन दोसा ने कहा कि 'सर्वप्रथम सुरक्षा'- इसे जीवन में अपनाने की जरूरत है। हम सब मिलकर इसके लिए काम करें तभी भारत में हो रहे एक्सीडेंट कम हो सकते हैं। एक्सीडेंट रेट कम करने के लिए इस संस्था के ट्रैनिंग कोर्स बहुत ही प्रभावी हैं। हमारी एशोसिएशन इनसे मिलकर अनेक कार्यक्रम आयोजित करना चाहती है।

ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे, हाजीपुर के एस.डी. जी. एम और चीफ विजिलेंस ऑफिसर, जे.के.वर्मा ने कहा कि आध्यामिक शिक्षा मनुष्य के सर्वांगिण विकास का आधार है। नफरत और भेदभाव की दिवारों को तोड़कर जीवन को महान बनाने के लिए यह शिक्षा हम सबके लिए जरूरी है। इस शिक्षा को जीवन में अपनाकर हम ज्यादा सुरक्षित होंगे और बेहतर ईंसान बनेंगे। बी. के. कविता ने प्रभाग द्वारा आयोजित *ड़िजीटल फोटोग्राफी कॉम्पीटिशन* की जानकारी दी। विजेताओं को सन्मानित किया गया। मुम्बई की बी.के. कुन्ति ने बहुत ही सुन्दर तरीके से मंच संचालन किया।